Date
Page

सेमिनार संख्या- 01

आज दिनांक 12/07/2018 दिन बुधवार को समय 2:00 PM मे IQAC कमरा मे अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा मुद्रास्फिति विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी का प्राचार्य डॉ० अरुण कुमार तिवारी ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि मुद्रास्फिति या महंगाई किसी अर्थव्यवस्था में समय के साथ विभिन्न माल और सेवाओं की कीमतों मे होने वाली एक सामान्य बढ़ोत्तरी है। जब सामान्य मूल्य बढ़ते है तब मुद्रा की हर इकाई की क्रय शक्ति मे कमी होती है, अर्थात पैसे की किसी मात्रा से पहले जितनी माल या सेवाओं की मात्रा आती थी उसमे कमी हो जाती है।

इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि प्रो० अजीतनन्दन पाठक (Commerce विभाग) ने मुद्रास्फिति के बारे मे बताया की मुद्रास्फिति

जनता के लिए हानिकारक होती है अर्थात पैसे की किसी मात्रा से पहले जितनी माल या सेवा की मात्रा आती थी उसमे कमी हो जाती है।

तथा उपस्थित छात्र/छात्राओं ने भी अपना मंतव्य रखा उसमे एक छात्र ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया बताया कि मुद्रास्फीती निर्धनता फैलाने का कार्य करती है इसका असर

1. निश्चित आय के वर्ग पर प्रभाव पड़ता है।
2. इनकी पर बुरा प्रभाव
3. ऋणी और ऋणदाता पर प्रभाव
4. बचत पर प्रभाव

अंत मे प्रो० बजरंग कुमार गुप्ता ने मुद्रास्फीती को बारे मे कुछ समझाते हुए महत्व हानी दुष्प्रभाव को बताया तथा धन्यवाद ज्ञापन कर सभा की समाप्ति की घोषणा की गई

Date
Page

बैठक में उपस्थित छात्र/छात्रा शिक्षक एवं अतिथि का हस्ताक्षर

1. प्रो॰ अरुण कु॰ तिवारी

2. प्रो॰ सुषमा कुमारी

3. प्रो॰ अंजनी नन्दन पाठक

4. प्रो॰ बजरंग कु॰ गुप्ता - [signature]

5. अविनाश कुमार Avinash Kumar

6. खुशबू कुमारी Khushboo Kumari

7. अपर्णा कुमारी अर्पणा कुमारी

8. करुणा कुमारी Karuna

9. निकिता कुमारी निकिता कुमारी

[signatures] Nishant Pandey

Sukhdeo Sahay Madheshwar Sahay Degree College Tarhasi, Palamau

Sukhdeo Sahay Madhoshwar Sahay Degree College Tarhasi Palamau

सेमिनार संख्या - 02

आज दिनांक 19 Dec 2018 दिन मंगलवार को समय 3:00PM ICL LAB में अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा नोट बंदी पर एक संगोष्टी का आयोजन किया गया।

इसकी अध्यक्षता प्रो० प्रभाकर ओझा ने आयोजको को बधाई देते हुए नोट बंदी पर अपना विचार प्रस्तुत किया

नोट बंदी का दूसरा नाम विमुद्रीकरण है यह आर्थिक गतिविधि है जिसके अन्तरगत सरकार पुरानी मुद्रा को समाप्त कर देती है और नई मुद्रा को चालू करती है जब काला धन बढ़ जाता है और अर्थव्यवस्था के लिए खतरा बन जाता है तो इसे दूर करने के लिए इस विधि को अपनाया जाता है।

प्रो० इंचार्ज के बाद हमारे शिक्षक सिम्पी कुमारी (राजनीतिक शास्त्र विभाग) के विभागाध्यक्ष ने बताया कि

जब काला धन बढ़ जाता है तो नष्ट करने के लिए विमुद्रीकरण किया जाता है ताकि जिनके पास काला धन हो वे उसके बदले में नई मुद्रा लेने का साहस

नही जुटा पाते है और काला धन स्वयं ही नष्ट हो जाती है। इसका प्रयोग भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 9 NOV 2016 को 500 तथा 1000 का नोट बंद कर दिया गया था

इस विषय पर एक विद्यार्थी ने भी अपना मंतव्य प्रस्तुत किया बताया की नोटबंदी की असर ऐसा हुआ कि लोग गटर मे नोट फेकना प्रारम्भ कर दिया लोग दुसरे के खाता मे जमा कर पैसा दे दिया

अंत मे अर्थशास्त्र के विभाग के विभागाध्यक्ष ने बताया कि पहली बार विमुद्रीकरण 1978 मे प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई के द्वारा किया गया था उस समय 1000 तथा 5000 के नोट बंद कर दिया गया था। साथ ही साथ धन्यवाद ज्ञापन कर संगोष्ठी का समापन किया गया।

संगोष्ठी मे उपस्थित

(1) Prof. Prabhakar Gupta [signature]

2. " Roopi Kumari

3. " Bajrang Kr. Gupta [signature]

Date ______
Page ______

4. Prof Dharmendra Kr.

5. " Raj Kumar

<u>Stds</u>

Anita Kumari

शानी कुमारी   Priyanka Kumari

Vikash   कविता कुमारी

Sony   आरती कुमारी

Golu

Sukhdeo Sahay Madheshwar Sahay Degree College ★ Tarhasi, Palamau ★ Estd. 2010

Prof. Incharge
Sukhdeo Sahay Madheshwar Sahay
Degree College
Tarhasi, Palamau

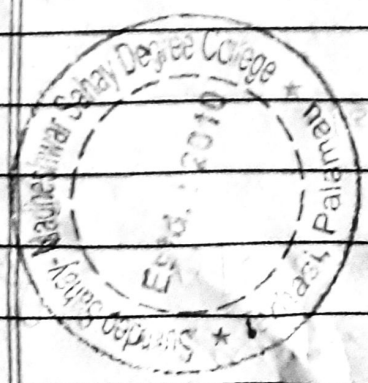

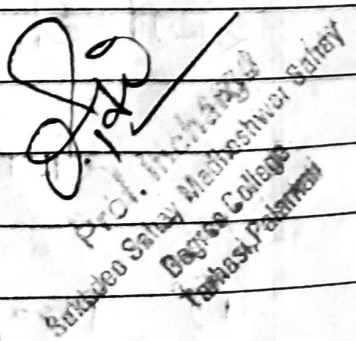

सेमिनार संख्या - 03

आज दिनांक 10 August 2019 दिन शनिवार को समय 12:00 बजे सुखदेव सहाय मधेश्वर सहाय डिग्री कॉलेज तरहसी के शिक्षक सदन मे अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा आयुष्मान भारत योजना पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप मे प्रो० नेयाज अहमद (उर्दू विभाग) को बनाया गया

इस संगोष्ठी मे प्रो० नेयाज अहमद को सम्मानित कर उनके द्वारा विचार प्रस्तुत किया

भारत की एक स्वास्थ्य योजना है जिसे 23 sep 2018 को पूरे भारत मे लागू किया गया था 2018 के बजट सत्र मे वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इस योजना की घोषणा की इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लोगो (BPL) को स्वास्थ्य मुहैया कराना था इसके अन्तर्गत प्रत्येक परिवार को 5 लाख तक कैशरहित स्वास्थ्य बीमा होता है।

तत्पश्चात हिन्दी भुगोल विभाग के विभागाध्यक्ष श्री अनुप कुमार ने बताया की यह योजना झारखण्ड मे भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस पर झारखण्ड के राँची जिले से 14 Apr 2018 को प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने कि

अंतम

अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष के ने आयुष्मान भारत के दो प्रमुख तत्व बताया।

1> राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा योजना
यह पूरे देश मे कहीभी लागू करे जा सकते है इस योजना के अन्तरगत आने वाले लाभार्थी देश भर के किसी भी सार्वजनिक या निजी अन्तर्गत अस्पतालो से cashless लाभ लेने की अनुमति होगी

संगोष्ठी का धन्यवाद ज्ञापन कर संगोष्ठी का समापन किया गया। इसमे उपस्थित शिक्षक- शिक्षकेत्तर कार्मिक विधार्थी आदी

1> प्रो॰ नयाज अहमद — Neyaz Ahmad

2. प्रो॰ नेहा कुमारी — Neha

3. प्रो॰ सिम्पी कुमारी — Simpi

4. प्रो० अनुप कुमार

5. प्रो बजरंग कुमार गुप्ता

छात्र/छात्रा

प्रदीप यादव

मुकेश राम

पंकज प्रजापति

रेखा कुमारी

Rani kumari

Nisha kumari

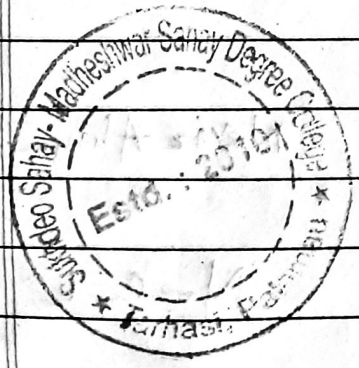

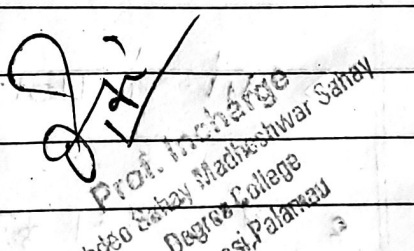

सेमिनार संख्या - 04

आज दिनांक 4 दिसम्बर 2022 दिन मंगलवार समय 12:00PM स्थान सुखदेव सहाय मधेश्वर सहाय डिग्री कॉलेज के कमरा नं० - 06 मे अर्थशास्त्र विभाग के द्वारा माँग की लोच विषय पर एक विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप मे प्रो० विनय कु० बैठा (JLA college) को आमंत्रित किया जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रो० इंचार्ज प्रभाकर ओझा ने उन्हे एक शॉल देकर सम्मानित किया गया तत्पश्चात दिप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन कि गई।

हमारे मुख्य अतिथि के द्वारा माँग की लोच पर अपना विचार रखा उन्होने बताया की किसी वस्तु की कीमत मे होने वाले परिवर्तन के फलस्वरूप उस वस्तु की माँगी गई मात्रा मे होने वाले परिवर्तन की माप को दर्शाता है।

उदाहरण के लिये यदि उत्पाद के मूल्य में कमी की जाय तो उसकी बिक्री कितनी बढ़ेगी इसके लिए लोच शब्द का प्रयोग किया जाता है। कीमत बढ़ने पर गिफीन वस्तु का माँग बढ़ती है व कम कम होने पर घटती है।

इसके पश्चात् प्रो० ईचाज के द्वारा भी एक उदाहरण देकर माँग की लोच को बताया कि यदि शुद्ध घी की कीमत बढ़ जाए व आय परिवर्तित न हो तो उपभोक्ता वनस्पति की ओर प्रतिस्थापन कर देता है व तत्पश्चात यदि आय में वृद्धि होती है तो वह वनस्पति घी में कुछ कमी कर कुछ मात्रा शुद्ध घी की लेता है।

अंत में अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष ने बताया की श्रीमति जॉन रोबिन्सन के अनुसार माँग की लोच किसी मूल्य या उत्पादन पर मूल्य में अल्प परिवर्तन के फलस्वरूप क्रय की गई मात्रा के आनुपातिक परिवर्तन को मूल्य के आनुपातिक परिवर्तन से भाग देने पर प्राप्त होती है।

$$Ed = \frac{\Delta Qd / Qd}{\Delta P / P}$$

संगोष्ठी का धन्यवाद करते हुए सभा की समाप्ति की घोषणा किया गया।

उपस्थित सदस्यों के हस्ताक्षर

Date
Page

1. विनय कु० बैठा (Asst. Prof.) Vinay Kr. Baitha

2. श्री प्रभाकर ओझा

3. श्री अंजनीनन्दन पाठक

4. सुश्री नेहा कुमारी Neha

5. श्री रामजन्म पाण्डेय Ramjan

6. श्रीमति सुषमा कुमारी Sushma

छात्र / छात्रा

सरस्वती कुमारी
पुजा कुमारी
शोभा कुमारी
सुरेन्द्र महतो
आदित्य साहु

Prof. Incharge
Sukhdeo Sahay Madheshwar Sahay
Degree College
Tarhasi, Palamau

Sukhdeo Sahay Madheshwar Sahay Degree College
Estd. ...10
Tarhasi, Palamau